कान्हा में लौटेंगी भैंसें : काजीरंगा से ट्रांसलोकेशन शुरू

मुख्यमंत्री 28 अप्रैल को सूपखार में करेंगे जंगली भैंस पुनर्स्थापन का शुभारंभ

भोपाल, 27 अप्रैल. मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि चीता पुनर्स्थापना की ऐतिहासिक सफलता के बाद अब जंगली भैंसों की वापसी से प्रदेश की जैव-विविधता में एक नया आयाम जुड़ेगा.

प्रदेश में एक सदी से अधिक समय से विलुप्त हो चुकी 'जंगली भैंस' (वाइल्ड बफेलो) प्रजाति की पुनर्स्थापना की रणनीति अब साकार हो रही है. मुख्यमंत्री डॉ. यादव 28 अप्रैल को बालाघाट जिले के सूपखार एवं टोपला क्षेत्र में कार्यक्रम के अंतर्गत %जंगली भैंस% पुनर्स्थापन अभियान का शुभारंभ करेंगे. मुख्यमंत्री सूपखार में 4 जंगली भैंसों को उनके नए

प्राकृतिक आवास में छोड़ेंगे. इनमें 3 मादा और एक नर जंगली भैंसा शामिल हैं. इस अवसर पर जिले के प्रभारी मंत्री उदय प्रताप सिंह, अधिकारी, स्थानीय जनप्रतिनिधि और नागरिक उपस्थित रहेंगे. इस पहल से भैंस प्रजाति के संरक्षण के साथ ही राज्य का वन पारिस्थितिकी तंत्र भी सशक्त बनेगा.

इस महत्वाकांक्षी परियोजना के तहत असम के काजीरंगा से जंगली भैंसों को कान्हा टाइगर रिजर्व लाया जा रहा है. पहले चरण में 4 भैंसों का दल अपनी यात्रा प्रारंभ कर चुका है. कुल 50 भैंसों के समूह को 'फाउंडर पॉपुलेशन' के रूप में लाने का लक्ष्य निर्धारित है. इस सीजन में 8 भैंसों को स्थानांतरित किया जाएगा. पूरी प्रक्रिया काजीरंगा और कान्हा के वरिष्ठ अधिकारियों एवं अनुभवी पशु-चिकित्सकों की निगरानी में वैज्ञानिक तरीके से संपन्न की जा रही है.

जैव-विविधता को समृद्ध बनाने एक और पहल

मुख्यमंत्री ने कहा है कि चीता पुनर्स्थापना के बाद अब जंगली भैंसों की वापसी से प्रदेश की जैव-विविधता में एक नया आयाम जुड़ेगा. यह पहल एक प्रजाति के संरक्षण के प्रयास के साथ ही प्रदेश के वन पारिस्थितिकी तंत्र को सुदृढ़ करने की दिशा में भी महत्वपूर्ण कदम है. मध्यप्रदेश पहले ही 'टाइगर स्टेट' और 'लेपर्ड स्टेट' के रूप में अपनी पहचान स्थापित कर चुका है. जंगली भैंसों का पुनर्स्थापन इस गौरव को और सुदृढ़ करेगा. भारतीय वन्यजीव संस्थान (देहरादून) द्वारा किए गए अध्ययन में कान्हा टाइगर रिजर्व को जंगली भैंसों के पुनर्स्थापन के लिए सबसे उपयुक्त पाया गया है. यहाँ के विस्तृत घासभूमि क्षेत्र, पर्याप्त जल स्रोत और न्यूनतम मानव हस्तक्षेप इस प्रजाति के लिए अनुकूल परिस्थितियाँ प्रदान करते हैं.

मध्यप्रदेश में जंगली भैंसों की आबादी लगभग 100 वर्ष पहले समाप्त हो गई थी. कान्हा के सूपखार क्षेत्र में 1979 के आसपास जंगली भैसा देखा गया था. अत्यधिक शिकार, मानव हस्तक्षेप, आवास का क्षरण और घास के मैदानों का नष्ट होना इसके प्रमुख कारण रहे. वर्तमान में इनकी प्राकृतिक आबादी मुख्य रूप से असम में सीमित है, जबकि छत्तीसगढ़ में इनकी संख्या अत्यंत कम है.

राजा हिरदेशाह की स्मृति में आज होगा बड़ा आयोजन

नवभारत समाचार

भोपाल, 27 अप्रैल. नर्मदा अंचल के टाइगर के नाम से विख्यात राजा हिरदेशाह लोधी के बलिदान दिवस के अवसर पर 'शौर्य यात्रा' के तहत मंगलवार को यहां जंबूरी मैदान पर विशाल जनसभा का आयोजन किया गया है.

जनसभा को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के अलावा पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती और पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल मुख्य रूप से संबोधित करेंगे. कार्यक्रम के आयोजक अखिल भारतीय लोधी-लोधा-लोध क्षत्रिय समाज के प्रदेश अध्यक्ष एवं पूर्व मंत्री

जालम सिंह पटेल के अलावा प्रदेश भर से आए लोधी समाज के विभिन्न प्रतिनिधि इस अवसर पर मौजूद रहेंगे. जंबूरी मैदान पर आयोजित इस कार्यक्रम के लिए सुरक्षा व्यवस्था के व्यापक प्रबंध किए गए हैं. प्रदेश के विभिन्न हिस्सों से बस और अन्य वाहनों से आयोजन में हजारों लोग आएंगे. इस वजह से भोपाल शहर में यातायात व्यवस्था में व्यापक परिवर्तन किया गया है, ताकि लोगों को परेशानियों का सामना नहीं करना पड़े.

मध्यप्रदेश में भीषण गर्मी अप्रैल में ही टूटे रिकॉर्ड

45 डिग्री खजुराहो में पहली बार

13 जिलों में लू का अलर्ट

भोपाल, 27 अप्रैल. मध्य प्रदेश में अप्रैल के आखिरी दिनों में गर्मी ने विकराल रूप ले लिया है. हालात ऐसे हैं कि आंधी और हल्की बारिश भी तपिश को कम नहीं कर पा रही.

एक दो दिनों में कई हिस्सों में मौसम बदला जरूर, लेकिन तापमान घटने के बजाय और बढ़ गया. तेज धूप, उमस और गर्म हवाओं ने लोगों को दोहरी मार दी दिन में झुलसाती गर्मी और रात में बेचैनी भरी गर्माहट से लोग परेशान हैं.

सबसे ज्यादा असर खजुराहो में देखने को मिला, जहां इस सीजन में पहली बार तापमान 45 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया. यह न सिर्फ इस साल का सबसे अधिक तापमान है, बल्कि यह संकेत भी है कि गर्मी अपने चरम पर पहुंच चुकी है. इंदौर में 6 साल बाद इतनी तेज गर्मी दर्ज हुई, जबकि भोपाल और जबलपुर में 3 साल का रिकॉर्ड टूट गया.

मौसम विभाग ने 13 जिलों में लू का अलर्ट जारी किया है. इनमें इंदौर, उज्जैन, रतलाम, धार, देवास, छतरपुर और बालाघाट जैसे जिले शामिल हैं. खास बात यह है कि कुछ शहरों में 'वॉर्म नाइट' की स्थिति भी बन रही है, यानी रात का तापमान सामान्य से ज्यादा रहेगा और लोगों को राहत नहीं मिलेगी. हालांकि, रीवा, सीधी और सिंगरौली जैसे इलाकों में गरज-चमक के साथ हल्की बारिश की संभावना है, लेकिन यह राहत अस्थायी होगी.

आने वाले दिनों में और बढ़ सकता तापमान

प्रदेश के अधिकतर हिस्सों में तेज धूप और लू का असर बना रहेगा. विशेषज्ञों का मानना है कि इस बार अप्रैल में ही मई जैसी गर्मी पड़ रही है. आने वाले दिनों में तापमान और बढ़ सकता है, जिससे जनजीवन पर असर और गहरा होने की आशंका है.

सभी वर्ग के 1.36 लाख किसानों ने स्लॉट कराए बुक

17 लाख 82 हजार मीट्रिक टन गेहूं का हुआ उपार्जन

भोपाल, 27 अप्रैल. खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने बताया है कि विगत वर्ष समर्थन मूल्य पर लगभग 77 लाख मीट्रिक टन गेहूं के उपार्जन की तुलना में इस वर्ष 100 लाख मीट्रिक टन गेहूं उपार्जन के लक्ष्य पर कार्य चल रहा है.

सभी जिलों में लघु सीमांत के साथ ही मध्यम एवं बड़े किसानों के लिए स्लॉट बुकिंग की सुविधा उपलब्ध है. साथ ही गेहूं का उपार्जन भी किया जा रहा है. दो दिन में बड़े एवं मध्यम वर्ग के एक लाख 36 हजार किसानों ने स्लॉट बुक कराया है. पूरे प्रदेश में स्लॉट बुकिंग की तारीख 30 अप्रैल से बढ़ाकर 9 मई की गई है. खरीदी के लिये प्रत्येक शनिवार को भी स्लॉट बुकिंग एवं उपार्जन का कार्य जारी है. अभी तक प्रदेश में समर्थन मूल्य पर गेहूं उपार्जन के लिये 9.23 लाख किसानों द्वारा 52.53 लाख मीट्रिक टन गेहूं के विक्रय के लिये स्लॉट बुक किए जा चुके हैं. अब तक 4 लाख 20 हजार किसानों से 17 लाख 82 हजार मीट्रिक टन गेहूं का उपार्जन किया जा चुका है.

बारातियों से भरा मिनीट्रक पलटने से 1 की मौत, तीन अन्य घायल

शहडोल. जिले के गोहपारू थाना क्षेत्र में सेमरा गांव के पास बारातियों से भरा एक मिनीट्रक पलट जाने से एक व्यक्ति की मौत हो गई तथा तीन अन्य घायल हो गए. पुलिस सूत्रों के अनुसार हादसे में करीब 50 बाराती वाहन में सवार थे, जिनमें से चार लोग घायल हुए थे.

घायलों में शामिल सुंदर सिंह (40) की कल देर शाम शहडोल जिला अस्पताल में उपचार के दौरान मृत्यु हो गई. अन्य तीन घायलों का जिला अस्पताल में उपचार जारी है. पुलिस ने वाहन चालक और मालिक के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है.

कलेक्टर ने गांव की खाट पर बिताई रात

- सीएम मोहन यादव के निर्देशों का असर, गांव में रात बिताने पहुंचे अफसर
- बंगले से बाहर निकला सिस्टम, किसानों से हुई सार्थक चर्चा

नवभारत न्यूज

उज्जैन. गजनीखेड़ी का जीवन अपने पारंपरिक ढर्रे पर चलता है, सुबह खेतों की ओर जाते किसान, दोपहर में चौपाल पर बैठक और शाम को गांव की गलियों में गूंजती मालवी बोली. ऐसे परिवेश में जब उज्जैन कलेक्टर रोशन सिंह के नेतृत्व में प्रशासनिक अमला सोमवार-मंगलवार की दरमियान रात बिताने इस गांव में पहुंचा, तो ग्रामीणों को लगा कि हमारी बात अब सीधे सीएम डॉ मोहन यादव तक जाएगी.

जिले के बड़नगर तहसील का छोटा-सा गांव गजनी खेड़ी इन दिनों प्रशासनिक बदलाव की नई कहानी लिख रहा है. मुख्यमंत्री मोहन यादव के सख्त निर्देशों के बाद अब अधिकारी गांवों में रात्रि विश्राम कर रहे हैं. इसी कड़ी में कलेक्टर रोशन सिंह गजनी खेड़ी पहुंचे, जहां उन्होंने किसी वीआईपी अंदाज के बजाय आम ग्रामीण की तरह जीवन जिया. कुएं के पास खाट पर सोना, खुले आसमान के नीचे रात बिताना और सुबह ग्रामीणों के बीच सहजता से उठना, यह दृश्य गांव के लोगों के लिए किसी आश्चर्य के साथ सौगात से कम नहीं था. कलेक्टर ने पूरी रात्रि यही बिताई, तो यह सिर्फ एक दौरा नहीं, बल्कि व्यवस्था में उतरते बदलाव की नजीर बन गया.

समस्याएं सुनीं, ग्रामीणों के साथ किया भोजन- गांव का माहौल बीती रात बिल्कुल अलग रहा. चौपाल सजी, जहां देसी बोली में समस्याएं रखी गईं, कहीं फसल बीमा की चर्चा, तो कहीं गेहूं खरीदी और मंडी की व्यवस्था पर सवाल. कलेक्टर ने हर बात ध्यान से सुनी और मौके पर ही अधिकारियों को समाधान के निर्देश दिए. ग्रामीणों के साथ बैठकर भोजन करना, बच्चों को दुलारना और किसानों से खेत-खलिहान की बातें करना- इसने प्रशासन और जनता के बीच की दूरी को पाटने का काम किया.

कलेक्टर ने किसानों से चर्चा के दौरान फसल बीमा, नरवाई, ओलावृष्टि और मौजूदा मौसम की चुनौतियों पर विस्तार से बात की. साथ ही प्रदेश में मनाए जा रहे कृषि कल्याण वर्ष की जानकारी भी दी और सरकारी योजनाओं का लाभ लेने के लिए प्रेरित किया. देर रात तक जन-चौपाल चली, समस्याओं का मौके पर निराकरण हुआ.

मुख्यमंत्री स्वयं भी रुकते हैं रात

उज्जैन में परंपरागत रूप से रात रुकने की मनाही की किंवदंती रही है, बावजूद मुख्यमंत्री मोहन यादव ने खुद इस परंपरा को तोड़ते हुए रात्रि विश्राम कर नई पहल की शुरुआत की. अब उसी का निर्वहन करते हुए अधिकारी जमीनी स्तर पर योजनाएं उतारते नजर आ रहे हैं. सीएम डॉ मोहन यादव ने कहा कि हम उज्जैन के और महाकाल के बेटे हैं. हम हमारे घर रात नहीं रुकेंगे तो कहां रुकेंगे. किसी ने पूर्व में भ्रांति फैलाई है कि राजनेता रात नहीं रुक सकते यह सब मिथ्या है, उसके बाद से ही अब उक्त चर्चाओं पर विराम लग गया.

सादगी के चर्चे

कलेक्टर रोशन सिंह की यह सादगी और कार्यशैली पहले भी चर्चा में रही है, चाहे जनसुनवाई में सीधे संवाद हो या बारिश के दौरान खुद पानी में उतरकर लोगों की मदद करना. गजनीखेड़ी की यह रात उसी श्रृंखला का एक और अध्याय बन गई है. गांव की मिट्टी, वहां की बोली और जीवनशैली को करीब से समझने की यह पहल प्रशासन को कागजों से निकालकर जमीनी हकीकत तक ले जा रही है.

सांदीपनि विद्यालयों के 58 विद्यार्थी मेरिट में

एमपी बोर्ड परीक्षा

10वीं-12वीं के परीक्षा परिणामों में 20 से 28% तक की बढ़ोतरी

भोपाल, 27 अप्रैल. मध्यप्रदेश में संचालित अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त सांदीपनि विद्यालय शिक्षा व्यवस्था में सकारात्मक बदलाव की अनूठी नजीर पेश कर रहे हैं.

एमपी बोर्ड के हाल ही जारी 10वीं-12वीं के परीक्षा परिणामों में सांदीपनि विद्यालयों के 58 विद्यार्थियों ने राज्य स्तरीय मेरिट में स्थान पाने में सफलता हासिल की है. इतना ही नहीं, एमपी बोर्ड की इन परीक्षाओं में सांदीपनि विद्यालयों के विद्यार्थियों का परीक्षा परिणाम साल दर साल बेहतर हो रहा है. गत चार वर्षों में सांदीपनि विद्यालयों ने 10वीं-12वीं के परीक्षा परिणामों में 20 से 28 प्रतिशत तक का सुधार दर्ज कराया है. वर्ष 2026 में कक्षा 10 की राज्य स्तरीय मेरिट सूची में जहां 41 विद्यार्थी सांदीपनि विद्यालयों से हैं, वहीं कक्षा 12 में विज्ञान, वाणिज्य, कला और कृषि संकायों की मेरिट सूची में 17 विद्यार्थियों का चयन हुआ है. इन उपलब्धियों के पीछे सांदीपनि विद्यालयों में सुदृढ़ शैक्षणिक वातावरण, नियमित एवं प्रभावी मॉनिटरिंग, शिक्षक-छात्रों के बीच बेहतर संवाद तथा परिणाम आधारित रणनीतियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा है.

10वीं में उत्तीर्ण विद्यार्थियों की संख्या 20% बढ़ी

वर्ष 2023 से संचालित इन सांदीपनि विद्यालयों के वर्ष 2026 तक के परीक्षा परिणामों में वर्ष दर वर्ष प्रगति हो रही है. वर्ष 2023 में एमपी बोर्ड की कक्षा 10वीं में उत्तीर्ण विद्यार्थियों का प्रतिशत 68 था, जो वर्ष 2026 में बढ़कर 88 प्रतिशत तक पहुंच गया. वहीं 10वीं कक्षा में प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण विद्यार्थियों का प्रतिशत भी 46 से बढ़कर 75 प्रतिशत से अधिक हो गया है.

12वीं का परीक्षा परिणाम 28% तक सुधरा

कक्षा 12वीं में उत्तीर्ण विद्यार्थियों का प्रतिशत वर्ष 2023 के 59 प्रतिशत की तुलना में वर्ष 2026 में बढ़कर 87 प्रतिशत से अधिक हो गया. वहीं प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण विद्यार्थियों का प्रतिशत 42 से बढ़कर 75 प्रतिशत तक हो गया.

पुलिस की तत्परता से टला बड़ा हादसा

21 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला गया

विशेष संवाददाता

भोपाल, 27 अप्रैल. मध्यप्रदेश पुलिस की त्वरित कार्रवाई और साहसिक पहल से ग्वालियर में एक बड़ा हादसा टल गया. शनिवार तड़के आग की चपेट में आई एक यात्री बस से सभी 21 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया, जिससे संभावित जनहानि टल गई.

घटना 26 अप्रैल की सुबह करीब 5:40 बजे की है, जब जयपुर से छतरपुर स्थित बागेश्वर धाम जा रही एक बस झांसी रोड थाना क्षेत्र से गुजर रही थी. बस में

18 यात्री, दो चालक और एक परिचालक सवार थे. अचानक तेज धमाके के साथ बस का पिछला टायर फट गया, जिससे निकली चिंगारियों ने बस के पिछले हिस्से में आग पकड़ ली. कुछ ही क्षणों में बस धुएं से भर गई, जबकि अधिकांश यात्री सो रहे थे. धमाके की आवाज सुनते ही थाना परिसर में मौजूद पुलिसकर्मी मौके पर पहुंचे और तत्काल राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया. पुलिसकर्मियों ने बहादुरी दिखाते हुए बस की खिड़कियां तोड़ीं और एक-एक कर सभी यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाला.

यात्रियों को बाहर निकालने के बाद पुलिस ने थाना परिसर में उपलब्ध बोरवेल के पानी से आग बुझाने का प्रयास किया. बाद में दमकल दल मौके पर पहुंचा और आग पर पूरी तरह काबू पाया.

लंगड़ाता तेंदुआ शावक दिखा, वीडियो वायरल

मुरैना. जिले में कैलारस-पहाड़गढ़ मार्ग पर एक घायल तेंदुए का शावक दिखाई देने से क्षेत्र में दहशत का माहौल बन गया. शावक के लंगड़ाते हुए सड़क पर घूमने का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है. रविवार देर रात कुछ ग्रामीण शादी समारोह से लौट रहे थे, तभी वाहन की हेडलाइट में एक शावक सड़क पर चलता नजर आया. पैर में चोट के कारण वह लंगड़ाता हुआ दिखाई दे रहा था. ग्रामीणों ने उसी दौरान मोबाइल से वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर साझा कर दिया. वन मंडलाधिकारी हरिश्चंद्र बघेल ने स्पष्ट किया कि वीडियो में दिखाई दे रहा जानवर चीता नहीं, बल्कि तेंदुए का शावक है.

नारी शक्ति समर्थन : आज निकलेगा मशाल जुलूस

सीएम डॉ. यादव और प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल भी होंगे शामिल

नवभारत प्रतिनिधि

भोपाल, 27 अप्रैल. महिलाओं के अधिकार और सम्मान को लेकर राजधानी में एक बार फिर नारी शक्ति सड़कों पर उतरने जा रही है. भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष अश्विनी परांजपे ने सोमवार को यह जानकारी मीडिया से बातचीत में साझा की.

उन्होंने बताया कि मंगलवार 28 अप्रैल को भोपाल में मशाल जुलूस निकाला जायेगा. उन्होंने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि देश की संसद और राज्यों की विधानसभाओं में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने के लिए लाए गए

'नारी शक्ति वंदन' विधेयक का विरोध महिलाओं के अधिकार और सम्मान का हनन है. कांग्रेस और विपक्षी दलों ने संसद में इस विधेयक को पारित नहीं कराकर महिलाओं का अधिकार छीना है. सुश्री परांजपे ने इस प्रदर्शन को महिलाओं को सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताते हुये कहा कि नारी अब अपने अधिकारों के प्रति पूरी तरह सजग है. परांजपे ने आज ही विधानसभा की कार्यवाही का अवलोकन भी किया.

मशाल जुलूस में मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव, प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल, महिला मंत्री, सांसद, विधायक और बड़ी संख्या में महिला कार्यकर्ता शामिल होंगी. चर्चा में अश्विनी परांजपे ने कहा कि महिला मोर्चा की कार्यकर्ताओं ने विधानसभा के विशेष सत्र की कार्यवाही का अवलोकन कर लोकतांत्रिक प्रक्रिया को समझा है. अब वे समाज में जाकर महिलाओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करेंगी और उनकी भागीदारी बढ़ाने का काम करेंगी.

मुद्दा | ओबीसी मामले में जीतू ने सरकार पर उदासीनता का आरोप लगाया

आरक्षण के मामले में होना चाहिए शीघ्रता

विशेष संवाददाता

भोपाल, 27 अप्रैल. मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी ने ओबीसी आरक्षण से जुड़े मामले में राज्य सरकार की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं. उन्होंने कहा कि यह मामला लाखों युवाओं, अभ्यर्थियों और परिवारों के भविष्य से जुड़ा हुआ है, लेकिन इसके बावजूद सरकार की उदासीनता बेहद चिंताजनक है.

पटवारी ने याद दिलाया कि वर्ष 2019 में कमलनाथ के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार ने ओबीसी आरक्षण को 14 प्रतिशत से बढ़ाकर 27 प्रतिशत किया था, जिसे सामाजिक न्याय की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम माना गया था. हालांकि, यह मामला अब भी न्यायालय में लंबित है और इसका समाधान नहीं हो पाया है. उन्होंने कहा कि उच्चतम न्यायालय ने संबंधित याचिकाओं को मध्य प्रदेश हाई कोर्ट को स्थानांतरित करते हुए तीन महीने के भीतर निर्णय करने के निर्देश दिए थे. उन्होंने आरोप लगाया की निर्धारित समय का आधा हिस्सा बीत चुका है, लेकिन सरकार की ओर से अपेक्षित गंभीरता अब तक दिखाई नहीं दे रही है.

पटवारी ने सुनवाई के दौरान महाधिवक्ता समेत वरिष्ठ विधि अधिकारियों की अनुपस्थिति पर भी सवाल उठाए. उन्होंने इसे सरकार की कमजोर इच्छाशक्ति का संकेत बताया. उनके अनुसार, हजारों अभ्यर्थी वर्षों से नियुक्तियों का इंतजार कर रहे हैं और करीब सात वर्षों से ओबीसी आरक्षण का प्रभावी क्रियान्वयन न होना प्रशासनिक विफलता को दर्शाता है. कांग्रेस नेता ने सरकार से अगली सुनवाई में मजबूत कानूनी पक्ष रखने की मांग की और चेतावनी दी कि इस महत्वपूर्ण मोड़ पर लापरवाही बरतना युवाओं के साथ अन्याय होगा.

बच्चियों के साथ छेड़छाड़ करने वाला पकड़ाया

नीमच. इंदिरा नगर इलाके में एक धार्मिक स्थल के गार्डन में मासूम बच्चियों के साथ छेड़छाड़ करने वाले को लोगों ने रंगे हाथों पकड़ लिया. आरोपी पिछले कई दिनों से बच्चियों को परेशान कर रहा था, जिसे परिजन ने योजना बनाकर पकड़ा और पुलिस के हवाले कर दिया. गार्डन में खेलने जाने वाली छोटी बच्चियों ने घर पर बताया था कि एक अंकल उनके साथ गंदी हरकतें करते हैं. बच्चियों की बात सुनकर परिजन ने आरोपी को पकडने की योजना बनाई. रविवार को जैसे ही आरोपी कुंज बिहारी वहां पहुंचा और अश्लील हरकतें शुरू कीं, पहले से छिपे हुए परिजन और रहवासियों ने उसे घेर लिया. इस घटना का एक वीडियो भी सामने आया है, जिसमें डरी हुई बच्चियां आरोपी के सामने ही उसकी करतूतें बता रही हैं.

रिश्वत लेते सरपंच का पति रंगे हाथ गिरफ्तार

नव भारत न्यूज

इंदौर, 27 अप्रैल. प्रधानमंत्री आवास योजना की किश्त जारी करने के बदले 8 हजार रुपए की रिश्वत लेते एक सरपंच पति को लोकायुक्त टीम ने रंगे हाथ पकड़ा है. कार्रवाई में पंचायत सचिव की भूमिका भी सामने आई है और दोनों के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत केस दर्ज किया है.

लोकायुक्त के अनुसार, ग्राम भोगवाढा निवासी कविता यादव (35) को योजना के तहत 1.25 लाख रुपए स्वीकृत हुए थे, जो चार किश्तों में मिलना थे. पहली किश्त 25 हजार रुपए नवंबर 2025 में और दूसरी किश्त 40 हजार रुपए मार्च 2026 में मिल चुकी थी. तीसरी और चौथी किश्त की 65 हजार रुपए राशि

- आवास योजना की किश्त जारी करने मांगी थी घूस
- लोकायुक्त इंदौर ने की कार्रवाई

जारी करने के बदले सचिव जितेंद्र सिंह पंवार और सरपंच पति चिंताराम भोमारे द्वारा 8 हजार रुपए की मांग की जा रही थी. आवेदिका ने इसकी शिकायत पुलिस अधीक्षक विशेष पुलिस स्थापना, लोकायुक्त इंदौर राजेश सहाय से की थी. सत्यापन में शिकायत सही पाए जाने पर सोमवार 27 अप्रैल को ट्रैप दल का गठन कर उक्त कार्रवाई को अंजाम दिया.

कार्रवाई के दौरान सचिव की मौजूदगी में सरपंच पति चिंताराम भोमारे को 8 हजार रुपए लेते हुए रंगे हाथ पकड़ लिया. दोनों आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की गई है. ट्रैप दल में कार्यवाहक उप पुलिस अधीक्षक आनंद चौहान सहित अन्य सदस्य शामिल रहे.

स्वत्वाधिकारी रामगोपाल इन्वेस्टमेंट प्रा. लि. हेतु लेसी एंगेज मीडिया प्रा.लि. के लिए आशुतोष उपाध्याय द्वारा 6/54, फिरोज गांधी प्रेस काम्प्लेक्स, इंदौर से प्रकाशित एवं नवभारत प्रेस भोपाल प्रा.लि. , फिरोज गांधी प्रेस कॉम्प्लेक्स इंदौर से मुद्रित. समूह संपादक क्रांति चतुर्वेदी*, *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत जिम्मेदार, फोन/फैक्स- 4096718 RNI Reg. No.7590/60